पंतनगर के छात्रों ने उत्तराखण्ड का पहला ई. काउन्सलिंग पोर्टल प्रारम्भ किया

पंतनगर। 26 जून, 2010। पंतनगर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तकनीकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी; आई.आई.टी., कानपुर; एवं आई.आई.टी., दिल्ली के विद्यार्थियों के सहयोग से उत्तराखण्ड का पहला निजी इलेक्ट्रानिक परामर्श पोर्टल प्रारम्भ किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने कुलसचिव, डा. जे. कुमार अधिष्ठाता, मानविकी महाविद्यालय, डा. बी.आर.के. गुप्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आज विश्वविद्यालय के मानविकी महाविद्यालय में इस ई. काउन्सलिंग पोर्टल (www.uktech.info.) का शुभारम्भ किया।

कुलपति डा. बिष्ट ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि तकनीकी विद्यालयों एवं संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रयासरत अभ्यर्थियों के लिए यह वेबसाइट अत्यंत उपयोगी साबित होगी। इस वेबसाइट में कुछ आवश्यक सुधार करने का सुझाव देते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह एक बहुत बड़ी सफलता सिद्ध होगी। अधिष्ठाता, मानविकी महाविद्यालय, डा. गुप्ता ने विद्यार्थियों के इस समूह–प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने इस कार्य के द्वारा अपने महाविद्यालय का नाम और रोशन किया है। इस वेबसाइट परियोजना का नेतृत्व कर रहे श्री राघव कंसल ने महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के दौरान परामर्श सम्बन्धी दिक्कतों को बताते हुए कहा कि अभी हाल के वर्षों तक विद्यार्थियों को तकनीकी संस्थानों एवं महाविद्यालयों में प्रवेश से पूर्व उनसे सम्बन्धित आवश्यक एवं विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करना बहुत मुश्किल काम था। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल वांछित विकल्पों एवं सूचनाओं की जानकारी प्राप्त करने में एक पुल की तरह काम करेगा जिससे अभ्यर्थी पूरी जानकारी प्राप्त कर अपने कैरियर के सम्बन्ध में सही निर्णय ले सकेंगे। आने वाले अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा के जरिये राज्य के तकनीकी महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु काउन्सलिंग में यह पोर्टल उत्तराखण्ड के अभियांत्रिकी अभ्यर्थियों के लिए प्रकाश स्तम्भ की तरह काम करेगा। साथ ही राज्य में स्थित तकनीकी महाविद्यालयों की व्यापक रेटिंग के साथ उनकी विस्तृत जानकारी भी पोर्टल देगा। इसके अतिरिक्त प्रवेश प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों तथा तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई कर रहे छात्रों के बीच संवाद स्थापित करने में यह पोर्टल मंच की तरह काम करेगा।

परियोजना के तकनीकी विभाग के प्रमुख, श्री मलय गोयल ने बताया कि यह वेबसाइट धीमी गति के इंटरनेट कनेक्शन और पुरानी पद्धति वाले सिस्टम पर भी आसानी से खोला जा सकता है। इसके लिए विशेष ध्यान रखा गया है। इससे दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र भी जानकारी प्राप्त कर इसका लाभ उठा सकते हैं। परियोजना से जुड़े संरचनात्मक पहलूओं की देख–रेख करने वाले श्री आयूश अग्रवाल के अनुसार तकनीकी पारदर्शिता के द्वारा देश की शिक्षा पद्धति में सुधार की तरफ यह पहला कदम है। इस अवसर पर मानविकी महाविद्यालय के एम.बी.जी.ई. के अध्यक्ष, डा. अनिल कुमार, डा. ए.के. अग्निहोत्री, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की अध्यक्षा, डा. रीता गोयल, पर्यावरण विज्ञान विभाग की अध्यक्षा, डा. उमा मलकानिया और रसायन विभाग के डा. एन.के. सन्ड भी उपस्थित थे।

निजी इलेक्ट्रानिक परामर्श पोर्टल का उद्घाटन करते हुए कुलाति डा. बी.एस. बिष्ट